1. प्र०- चन्द्रापीड को युवराज के पद पर अभिषेक के समय किसने गुरूपदेश प्रदान किया?

उत्तर - शुकनास (मंत्री) ने।

2. प्र०- शुकनास के अनुसार युवावस्था के प्रभाव से उत्पन्न अन्धकार को किसके द्वारा नहीं समाप्त (भेदा) नहीं किया जासकता?

उत्तर - सूर्य के द्वारा युवावस्था जन्य अन्धकार को नहीं समाप्त कियाजासकता।

3. प्र०- लक्ष्मी से अभिव्यक्त मद किसप्रकार का होता है?

उत्तर - दुःख देनेवाला।

4. प्र०- किसप्रकार के दाहज्वर को शीतल उपचारों से शांत नहीं कियाजासकता?

उत्तर - दर्प (अभिमान) के।

5. प्र०- स्नान एवं शौच आदि कार्यों से किसप्रकार का मल स्वच्छ नहीं होता?

उत्तर - राग का।

6. प्र०- अनर्थ की परम्पराएँ कितनेप्रकार की होती हैं?

उत्तर - चार।

7. प्र०- जन्म से प्राप्त ऐश्वर्य के बारे में शुकनास ने क्या कहा है?

उत्तर - अनर्थकारी।

8. प्र०- नूतन युवावस्था के विषय में शुकनास ने क्या कहा है?

उत्तर - अनर्थकारी (अनर्थ को उत्पन्न करनेवाली)।

2 जुलाई

9. प्र०→ अनुपमसौन्दर्य तथा अलौकिक शक्ति के संदर्भ में शुकनास ने क्या कहा है?

उत्तर - अनर्थकारी ।

10. प्र०- युवावस्था के आरम्भ में किसजल से प्रक्षालन (धोने के) के बाद भी बुद्धि कलुषता को प्राप्त करती है?

उत्तर - शास्त्रजल के ।

11. प्र०- किसको बिना छोड़े हुए भी युवकों की दृष्टि लालिमा (राग) से युक्त रहती है?

उत्तर - श्वेतता के ।

12. प्र०- किस गुण से पैदा हुई भ्रान्ति पुरुष को अपनी इच्छा से घुमाती है?

उत्तर - रजोगुण से ।

13. प्र०- इन्द्रियहरिणों को कौन नष्ट करती है?

उत्तर - उपभोगमृगतृष्णा ।

14. प्र०- विषयों में आसक्ति किसको समाप्त (नष्ट) करदेती है?

उत्तर - पुरुष को विभ्रमितव्यक्ति की भाँति नष्ट करदेती है।

15. प्र०- चन्द्रमा की किरणें किस मणि में सरलता से प्रवेशकरती हैं?

उत्तर - स्फटिकमणि में ।

16. प्र०- निर्मलहृदय में आसानी से क्या आत्मसात् होता है?

उत्तर - गुरु का उपदेश ।

17. प्र०- शिष्ट व्यक्ति की सुषमा (शोभा) को हाथी के शरीराभूषण की भाँति बढ़ाते हैं?

उत्तर - गुरूपदेश ।

3 जुलाई

1. प्र० - प्रदोष के चन्द्र (चन्द्रमा) की भाँति दोषरूपी अन्धकार को दूर कौन करता है?

उत्तर - गुरुवचन (उपदेश)।

2. प्र० - शुकनास सबसे पहले किसके संदर्भ में (बारे में) चन्द्रापीड़ को उपदेश देते हैं?

उत्तर - लक्ष्मी के बारे में सबसे पहले उपदेश दिया गया है।

3. प्र० - शुकनासोपदेश में किनके चरित्र का प्रमुखता से निरूपण हुआ है?

उत्तर - लक्ष्मी के चरित्र के संदर्भ में।

4. प्र० - लक्ष्मी के लिए किन-किन पदों का प्रयोग हुआ है?

उत्तर - दुष्टा, पिशाची, अनार्या, दुराचारिणी आदि पदों का प्रयोग हुआ है।

5. प्र० - "यथा यथा चेयं चपला दीप्यते" यहाँ 'चपला' पद का संकेत किनके लिए किया गया है?

उत्तर - लक्ष्मी के लिए।

6. प्र० - 'इषवः' पद का अर्थ है?

उत्तर - (बाण, तीर) ⇒ शूर।

7. प्र० - "कुलीराः इव तिर्यक् परिभ्रमन्ति" यहाँ 'कुलीर' पद का अर्थ क्या है?

उत्तर - केकड़ा।

8. प्र० - खद्योत का अर्थ क्या है?

उत्तर - जुगनू।

9. प्र० - "राहुजिह्वा धर्मेन्दुमण्डलस्य" यहाँ राहुजिह्वा' पद प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर - लक्ष्मी के लिए।

10. प्र० - "आशीविषाः" पद का अर्थ क्या है?

उत्तर - सर्प (साँप)।

11. प्र०- लक्ष्मी का जन्म कहाँ हुआ था ?

उत्तर- क्षीरसागर में ।

12. प्र० - लक्ष्मी ने पारिजातपल्लवों से क्या ग्रहण किया था ?

उत्तर - अनुराग को ।

13. प्र०- लक्ष्मी 'कर्कशता' ग्रहण करती है ?

उत्तर - कौस्तुभमणि द्वारा ।

14. प्र०- पुरुषों के समस्तदोषों को गुणरूप में परिवर्तित (बदलते) करते हैं ?

उत्तर - गुरूपदेश ।

15. प्र०- " विदितवेदितव्यस्य अधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति " यहाँ 'अधीतसर्वशास्त्रस्य' पद प्रयुक्त किया गया है ?

उत्तर - चन्द्रापीड़ के लिए ।

16. प्र०- 'निम्नगा' पद का अर्थ है ?

उत्तर - नदी ।

17. प्र०- अमृतसहोदरापि कटुविपाका' कौन है ?

उत्तर - लक्ष्मी ।

18. प्र०- संस्कृत गद्यसाहित्य की सर्वश्रेष्ठ रचना कौन है ?

उत्तर - कादम्बरी ।

19. प्र०- कादम्बरी क्या है तथा शाब्दिकअर्थ बताएँ ?

उत्तर- कथा है। शाब्दिकअर्थ - मदिरा, सुरा (शराब) है।

20. प्र०- बाणभट्ट का निवासस्थान बताएँ ?

उत्तर - प्रीतिकूटग्राम (सोननदी के तट पर) ⇒ (वर्तमान औरंगाबाद जिला में, बिहार राज्य)